पाठ-10 चंदन की सुगंध फैलाता कर्नाटक प्रदेश

CLASS: V
SESSION NO : 1
SUBJECT : HINDI
CHAPTER NUMBER:10
TOPIC: चंदन की सुगंध फैलाता कर्नाटक प्रदेश
SUB TOPIC: प्रस्तावना , आदर्श पठन , नए शब्द

शिक्षण उद्देश्य -

1. कर्नाटक की कला,संस्कृति तथा धार्मिक क्षेत्रों की जानकारी देना।

2. बच्चों को वहाँ उपलब्ध होने वाले 'चंदन एवं 'रेशम' से परिचित कराना।

3. प्रश्नोत्तर द्वारा लेखन कौशल में सुधार करना तथा विषय संबंधित ज्ञान दृढ़ करना ।

पाठ - 10

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

चंदन की सुगंध फैलाता कर्नाटक प्रदेश

चिंतन मनन

कर्नाटक कला, संस्कृति एवं धार्मिक क्षेत्रों के लिए प्रसिद्ध है।

कर्नाटक का 'चंदन' तथा 'रेशम' विश्व प्रसिद्ध है।

प्रस्तुत पाठ में कर्नाटक का संक्षिप्त परिचय दिया गया है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

भारत के ऐतिहासिक पन्नों पर कर्नाटक का विशिष्ट स्थान है। चोला, पांड्या, पल्लव और राष्ट्रकूट राजवंशों ने कर्नाटक पर शासन किया। इन्होंने यहाँ के सांस्कृतिक वैभव की शान रखी लेकिन चौदहवीं शताब्दी में होयसल वंश के राजाओं में मतभेद हुआ और उसी का फ़ायदा उठाकर अलाउद्दीन खिलजी और मोहम्मद तुगलक ने आक्रमण कर कला और संस्कृति पर बुरा असर डाला। कर्नाटक पर विजयनगर के राजाओं ने सौ वर्ष से अधिक समय तक शासन किया। विजयनगर के ह्रास के बाद मुसलिम शासक हैदरअली ने विभक्त कर्नाटक को एकत्रित किया। उनके पुत्र टीपू सुलतान के काल में इस राज्य का नाम 'मैसूर' पड़ा।

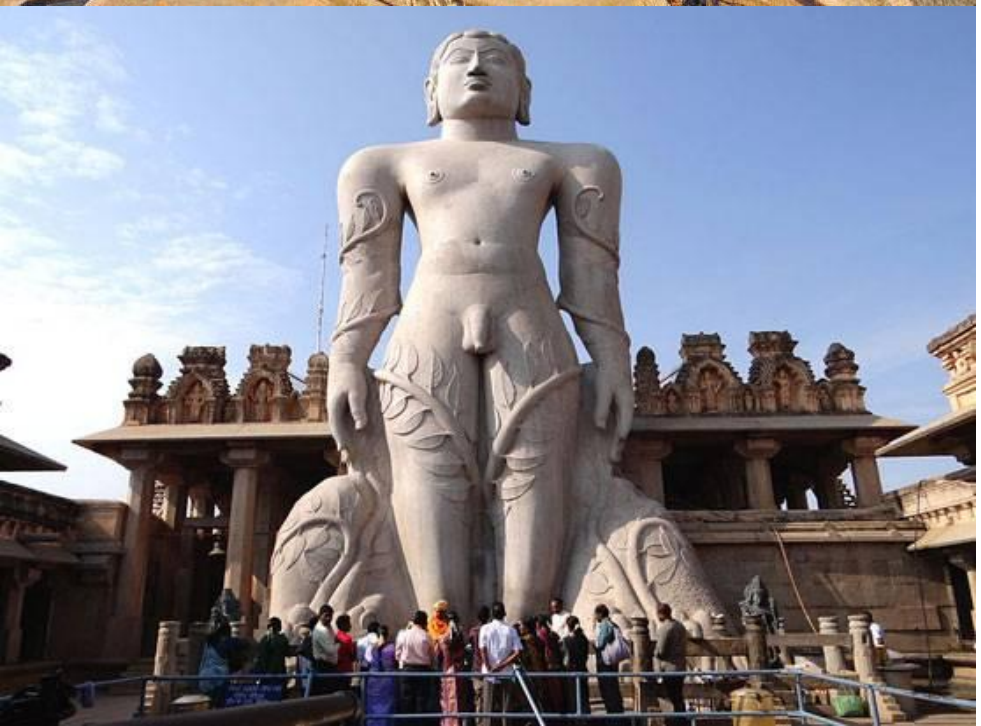

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

धार्मिक दृष्टि से कर्नाटक का विशेष महत्व है। शैव-वैष्णव, बौद्ध तथा जैन धर्म का यहाँ खूब प्रचार रहा। सद्भाव का प्रचार-प्रसार करने वाले संत शंकराचार्य एवं रामानुचार्य यहाँ बहुत प्रसिद्ध हैं। सुविख्यात न्यायशास्त्री श्री विश्वेश्वरैया और धार्मिक नेता बसवेश्वर भी इसी राज्य के हैं।कर्नाटक प्राचीन संस्कृति और कला का केंद्र है। यहाँ का श्रवणबेलगोल का 'गोम्मटेश्वर' विश्व प्रसिद्ध है। 'हलेबीड़ू' और 'बेलूर' शिल्पकला के उत्तम नमूने हैं।

कर्नाटक चंदनवृक्ष के लिए जाना जाता है। सिलबेकल, सत्यमंगलम, गुंडयाल में चंदन के पेड़ पाए जातेहैं। ये सभी वन पहाड़ियों के बीच घिरे हैं। चंदन की लकड़ी अपनी सुगंध और औषधीयगुणों के कारण विश्व प्रसिद्ध है। चंदन की लकड़ी पर बनी नक्काशी और सजावट केसामान की विश्वभर में माँग है।

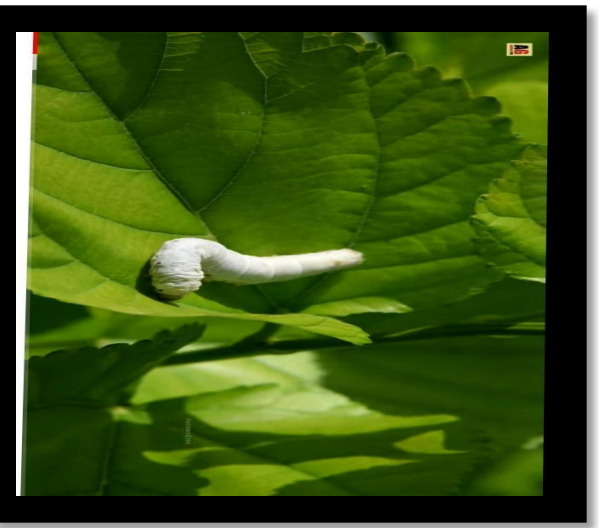

मैसूर अपनी कला, संस्कृति, वैभव के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही 'रेशम' के लिए भी प्रसिद्धहै। भारतरत्न की उपाधि से विभूषित डॉ. विश्वेश्वरैया के सौंदर्य प्रेम, शिल्प और तकनीक की अद्भुत मिसाल 'मैसूर-वृंदावन उद्यान' पर्यटकों को मोहित करता है। अपनी भव्यता, कलात्मकता, संस्कृति एवं साहित्य के अनूठेपन को दर्शाता कर्नाटक आई०टी० तथा बी०टी० क्षेत्र में भी अग्रणी है।

नए शब्द

तिहासिक
विशिष्ट
शासन
वैभव
शान
शताब्दी
मतभेद
फायदा

आक्रमण
ऐण
असर
ह्रास
विभक्त
एकत्रित
दृष्टि
काल

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सद्भाव
सुविख्यात
प्रसिद्ध
शिल्पकला
प्राचीन
उत्तम
नक्काशी
सुगंध

उपाधि
विभूषित
अद्भुत
मिसाल
मोहित
अनूठेपन
अग्रणी

गृह कार्य
पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए शब्दों को याद कीजिए।

शिक्षण की प्रतिफल

- विद्यार्थियों ने भारत के दक्षिण भाग के कर्नाटक राज्य की कला, संस्कृति ,धर्म एवं पहनावा के बारे में जानकारी प्राप्त की । नए शब्दों से उनका परिचय हुआ।

- कर्नाटक के प्रसिद्ध व्यक्तित्व की जानकारी प्राप्त की।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP